हेनरीटा के अंडे

सिड हॉफ

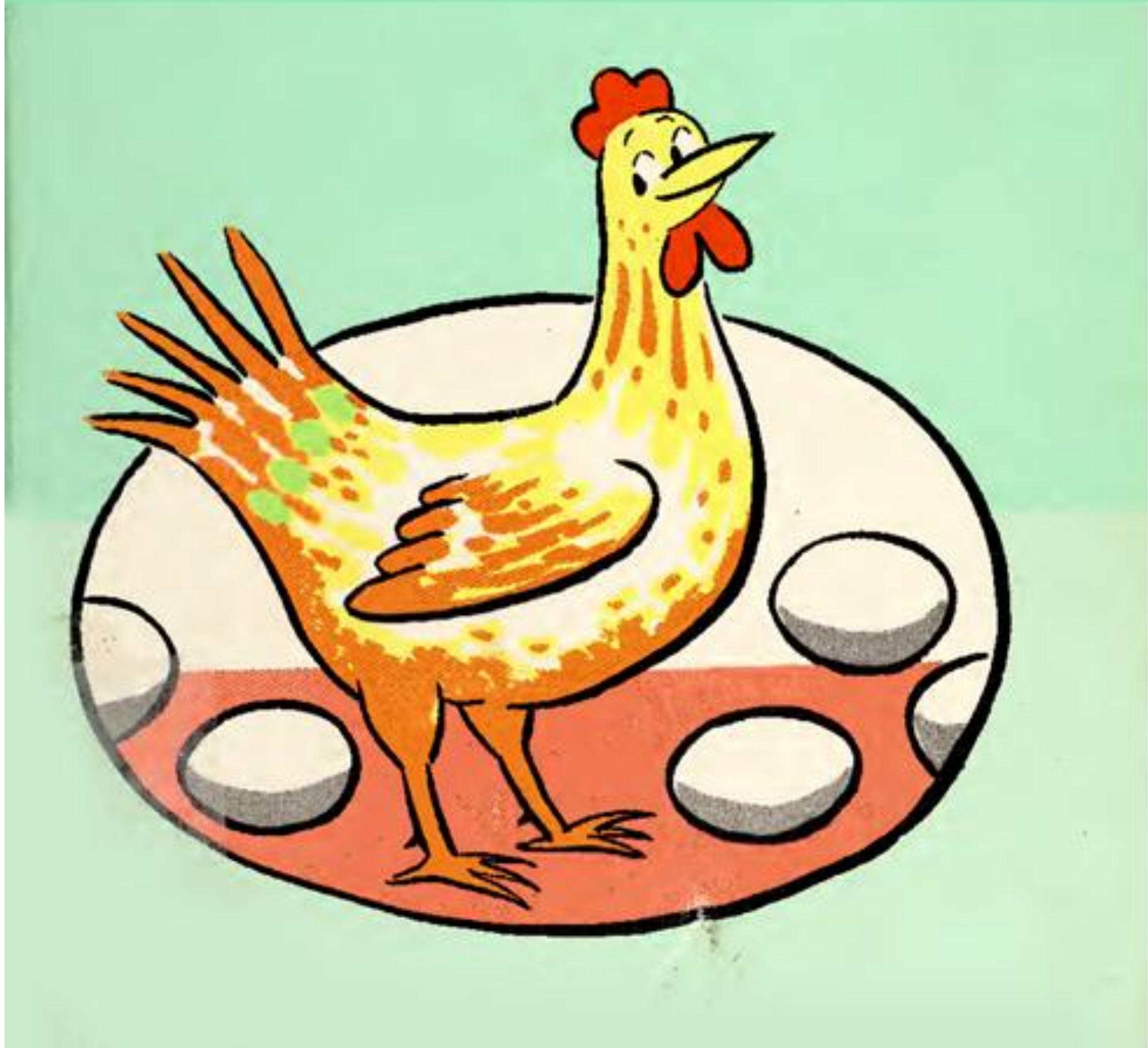

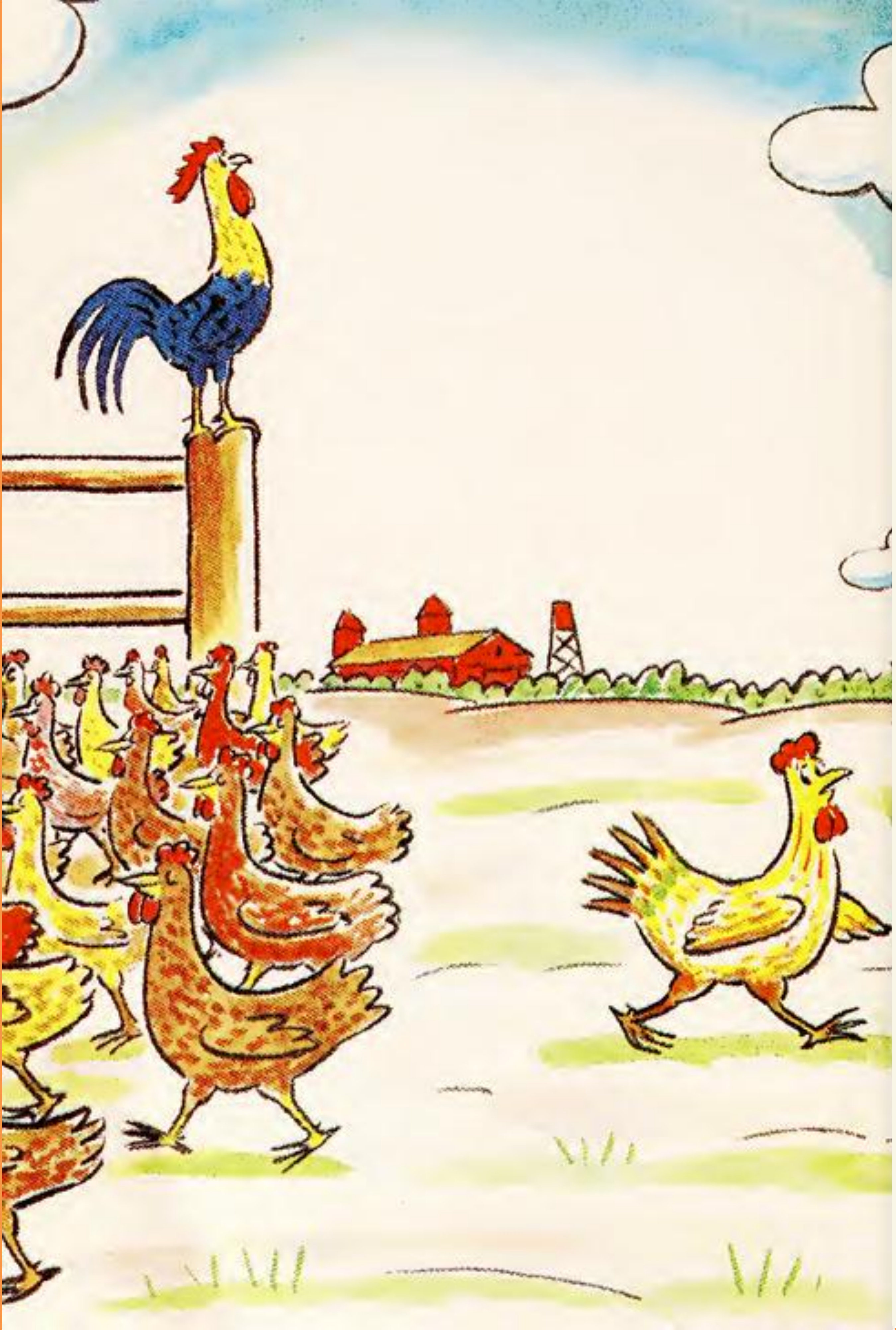

हेनरीटा के अंडे

सिड हॉफ

हेनरीटा के अंडे

फार्म पर सुबह का समय था.

"चलो, सब लोग," मिस्टर ग्रे ने

अपनी मुर्गियों को बुलाया.

"सब मुर्गियां ट्रक में चढ़ो," उन्होंने कहा.

"हम बाजार जा रहे हैं."

उनमें से एक मुर्गी,

बाजार नहीं जाना चाहती थी.

उसका नाम हेनरीटा था.

"मुझे लगता है कि मैं यहीं रहूंगी," हेनरीटा ने कहा.

"मुझे यह फार्म पसंद है."

"नहीं," मिस्टर ग्रे ने कहा.

"तुम भी ट्रक में बैठो.

यहाँ से शहर का लंबा रास्ता है."

"मुझे ट्रक में सवारी करना पसंद है," हेनरीटा ने कहा.

"लेकिन मैं खाने की प्लेट पर मसाले वाले आलू के

साथ चिकन नहीं बनना चाहती हूँ."

हेनरीटा ट्रक से बाहर उड़ गई.

लेकिन मुर्गियां ज्यादा दूर तक नहीं उड़ सकती हैं.

वो सूअर के बाड़े में नीचे उतरी.

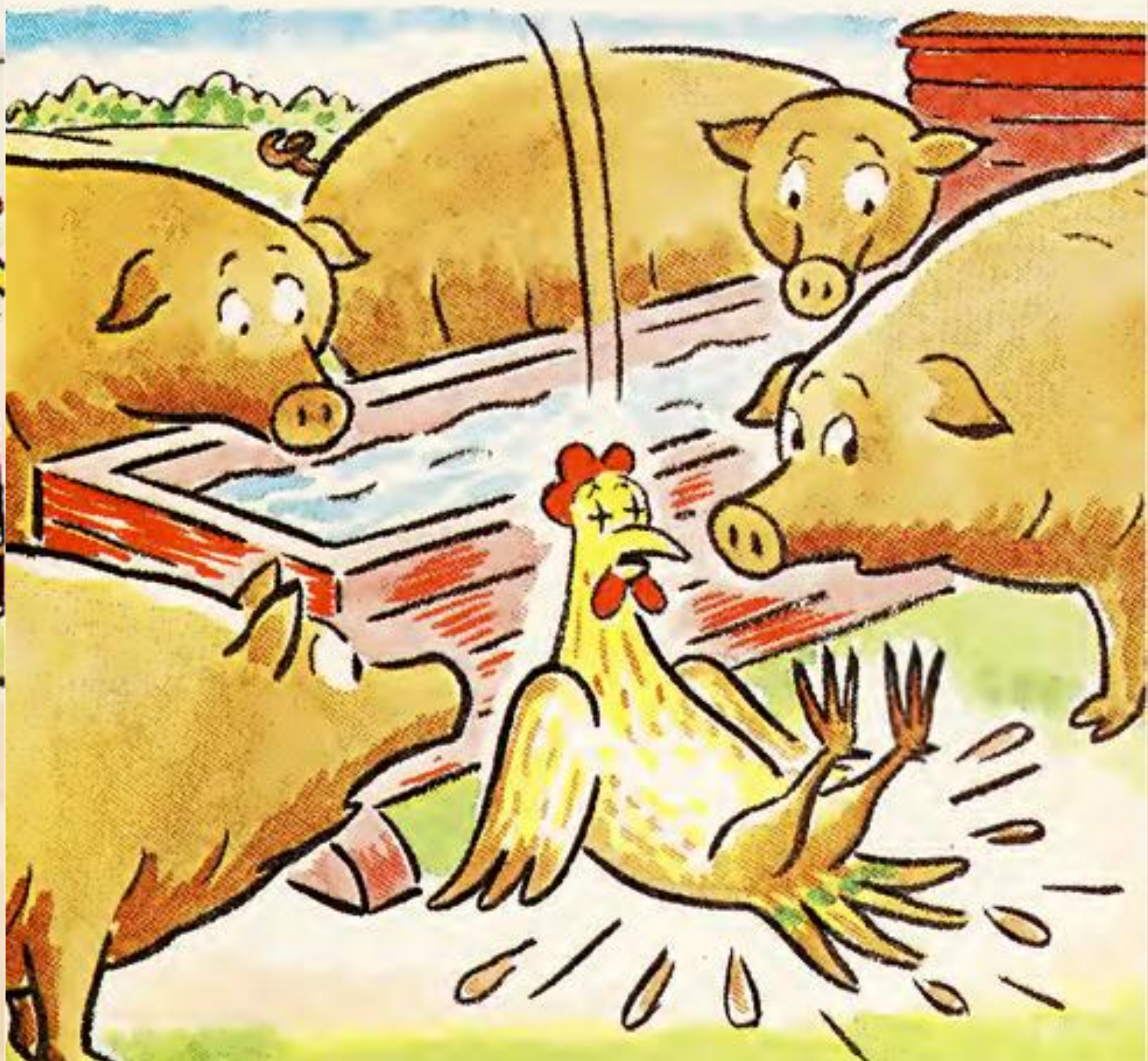

"क्या मैं यहां रह सकती हूं?" हेनरीटा ने पूछा.

"हाँ," सूअरों ने कहा.

"लेकिन जल्द ही हमें भी बाजार जाना है."

हेनरीटा जल्दी से वहां से चली गई.

"क्लक, क्लक," उसने आगे चलते हुए कहा.

हेनरीटा एक बत्तखों के तालाब के पास पहुंची.

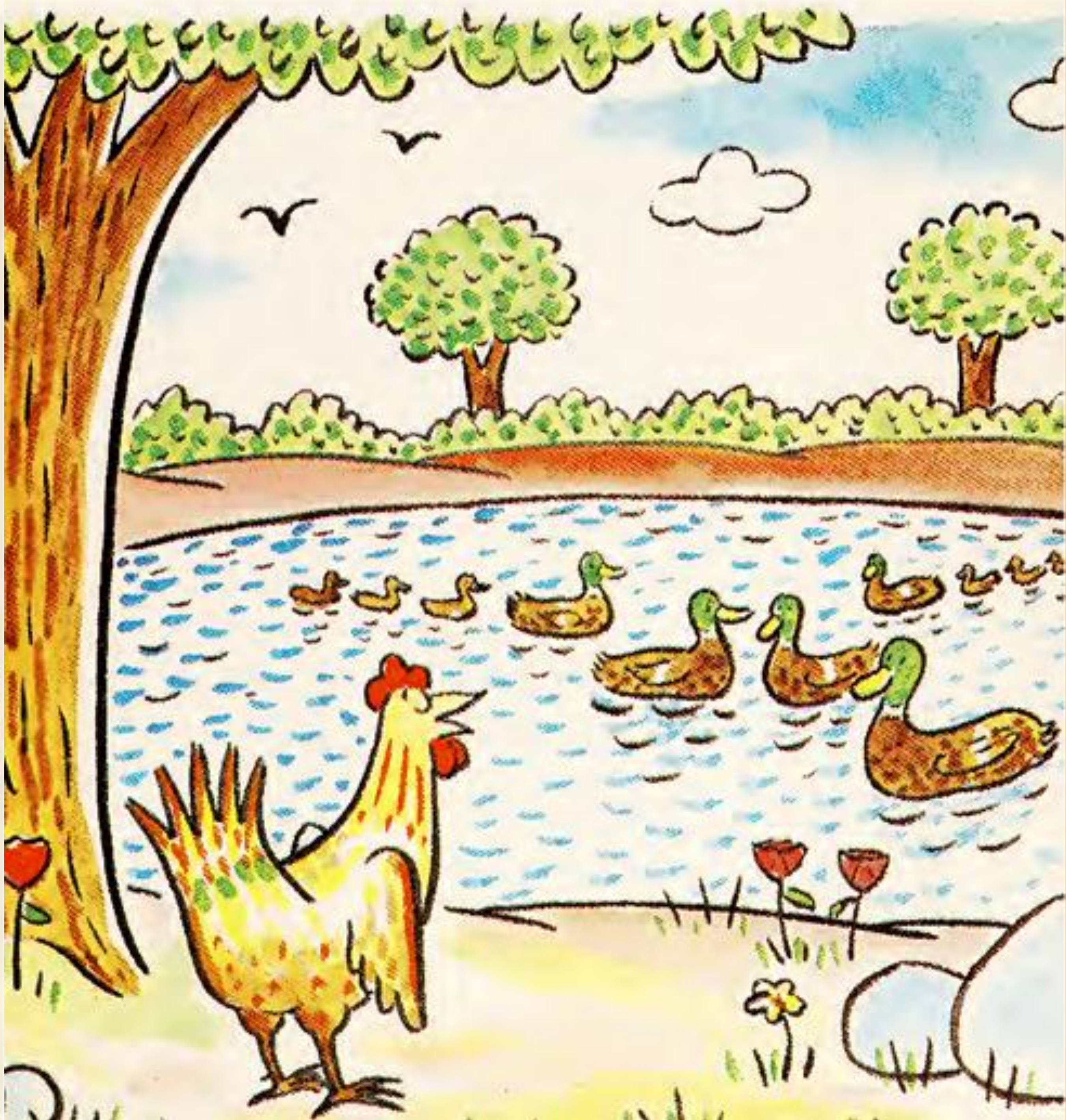

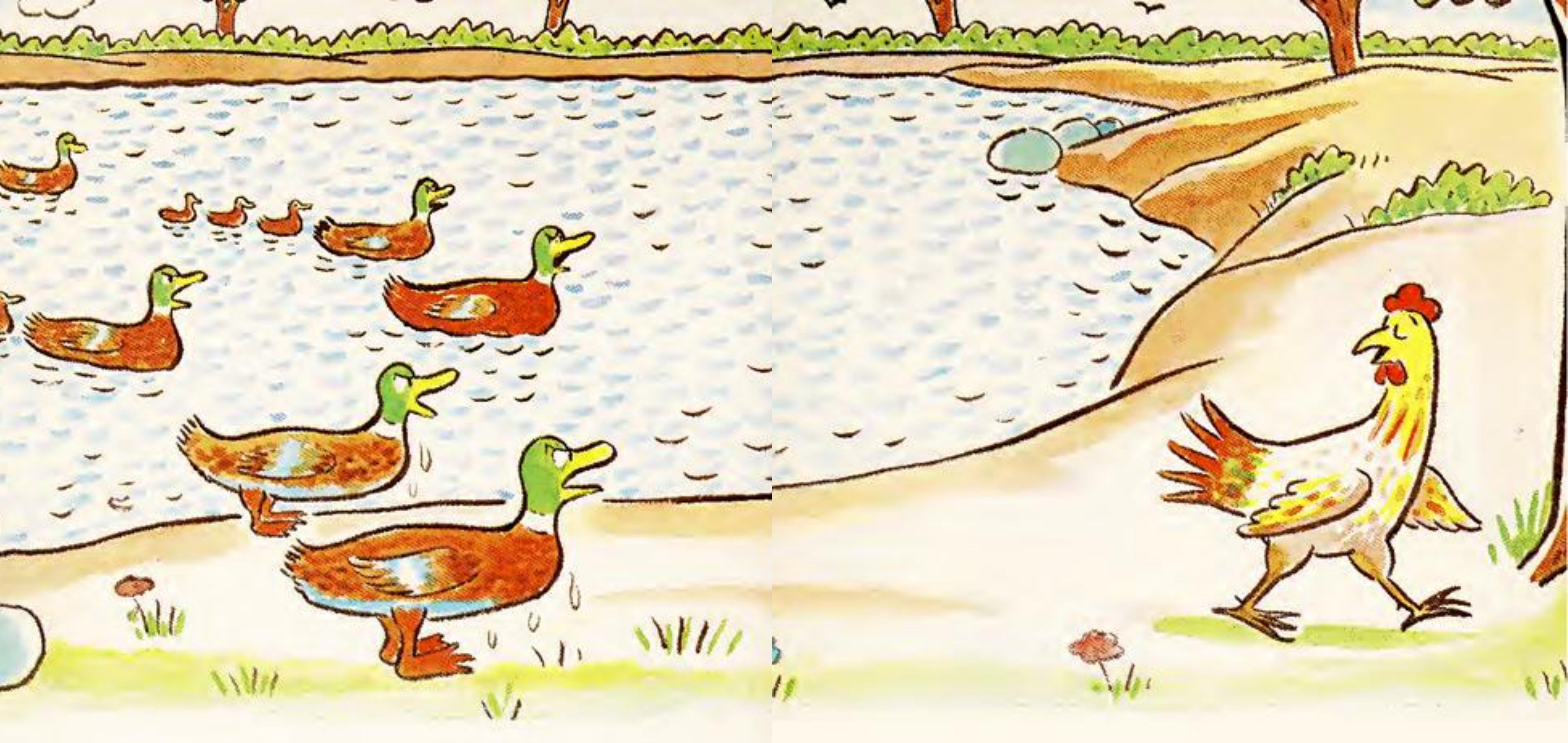

"जब तक तुम क्वैक, क्वैक नहीं कहतीं

तब तक तुम यहाँ नहीं रह सकती हो,"

एक बतख ने कहा.

"मुझे वैसे भी तैरना नहीं आता है,"

हेनरीटा ने कहा.

वो चलती रही.

वो एक ऐसी जगह पहुंची,

जहां कुछ लोग आग लगा जला रहे थे.

"तुम हमारे रात के खाने के समय पर आई हो,"

उन लोगों ने कहा.

"खाने में क्या है?" हेनरीटा ने पूछा.

"हम चिकन खा रहे हैं," उन लोगों ने कहा.

"मैं चिकन नहीं खाऊँगी!" हेनरीटा ने कहा.

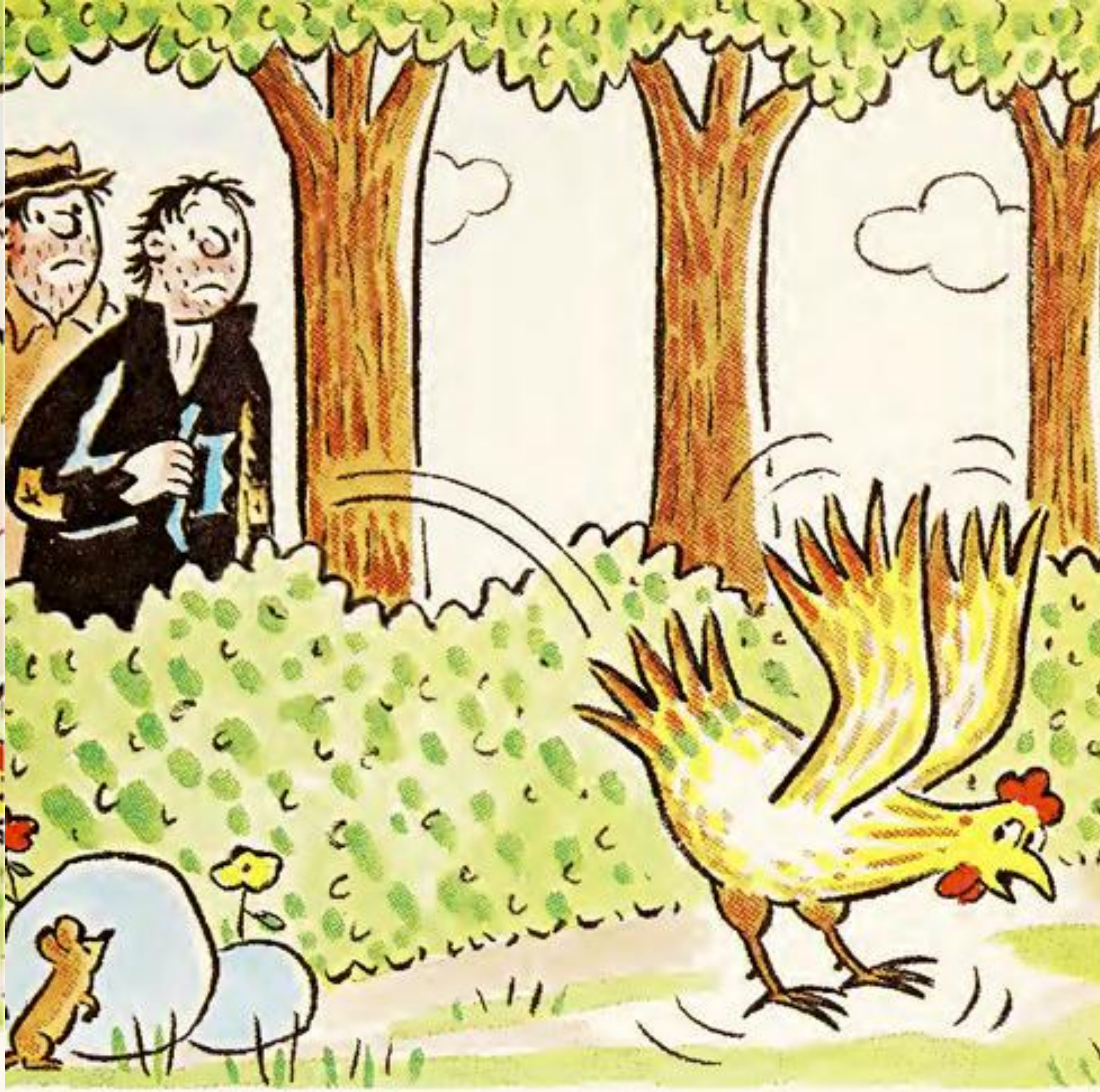

वो जल्दी से जंगल में उड़ गई.

जल्द ही उसे एक भूखी लोमड़ी मिली.

हेनरीटा ने पहले कभी लोमड़ी नहीं देखी थी.

"क्या आप कुत्ते हैं?" हेनरीटा ने पूछा.

"हाँ," लोमड़ी ने कहा.

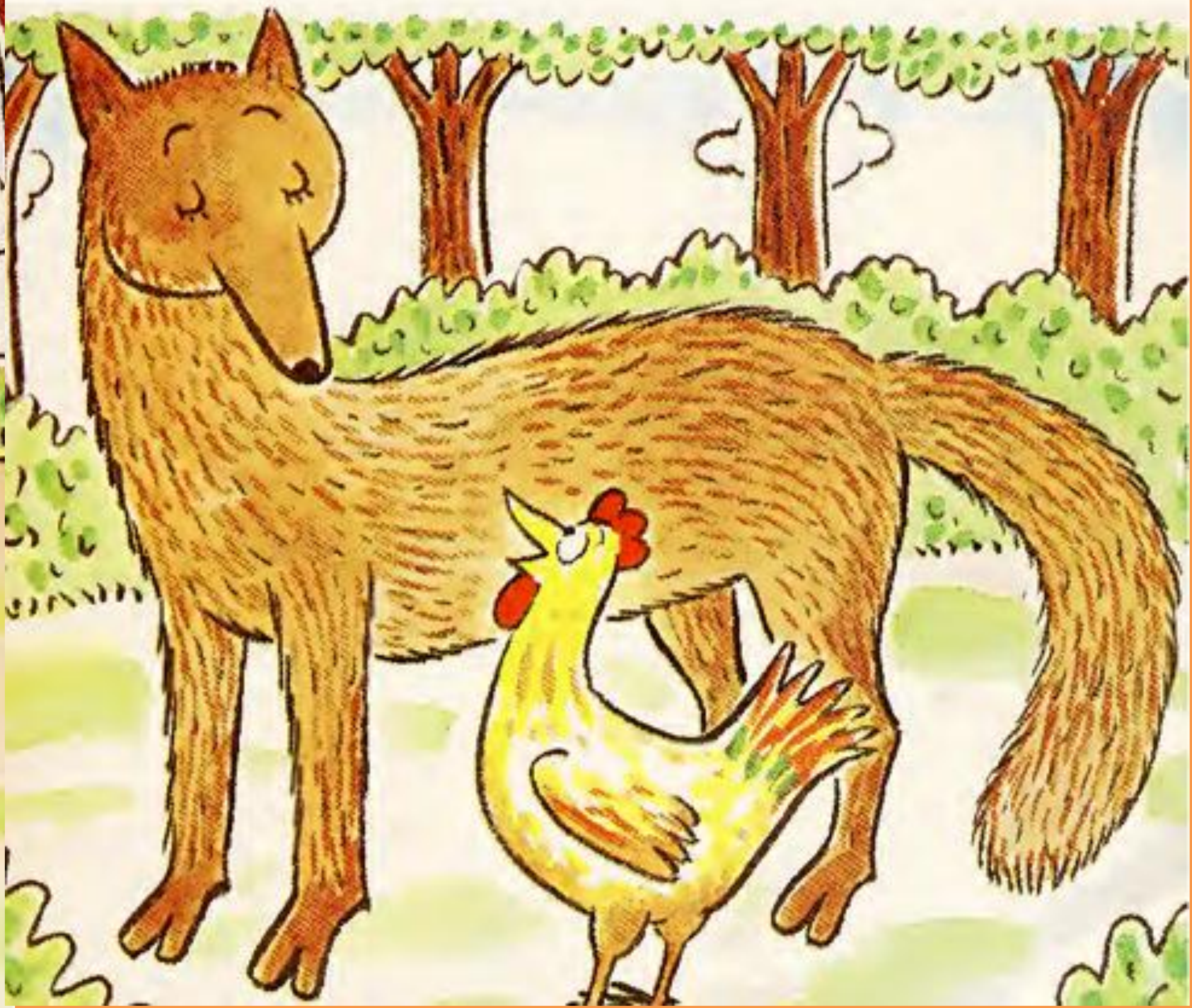

"फिर मुझे भौंक कर दिखाओ," हेनरीटा ने कहा.

लोमड़ी ने भौंकने की कोशिश की.

"तुम कुत्ते की तरह बिल्कुल नहीं भौंकते हो," उसने कहा.

"शायद तुम फिर एक बिल्ली हो," हेनरीटा ने कहा.

"हाँ, मैं वही हूँ," भूखी लोमड़ी ने कहा.

उसने म्याऊ करने की कोशिश की.

"म्याऊ, म्याऊ, म्याऊ."

"तुम्हारी आवाज़ बिल्ली की तरह हरगिज़ नहीं है,"

हेनरीटा ने कहा.

"तो मुझे लगता है कि मैं एक भूखी लोमड़ी हूँ!"

लोमड़ी ने कहा.

फिर लोमड़ी ने हेनरीटा को पकड़ने की कोशिश की.

लेकिन हेनरीटा दूर भाग गई.

"यही बेहतर होगा कि

मैं जंगल से बाहर निकल जाऊं,"

हेनरीटा ने सोचा.

फिर वो चलते-चलते शहर पहुंची.

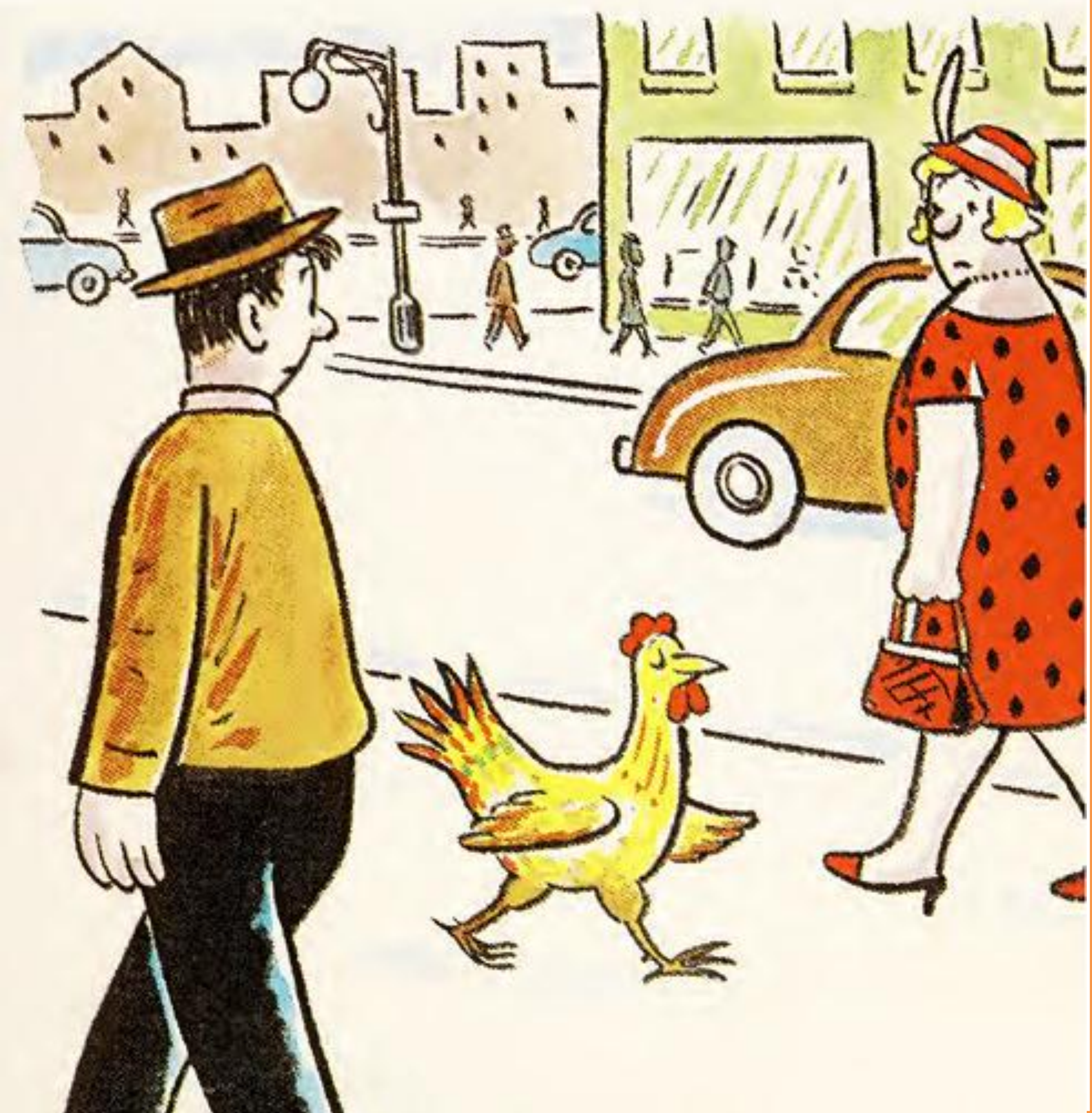

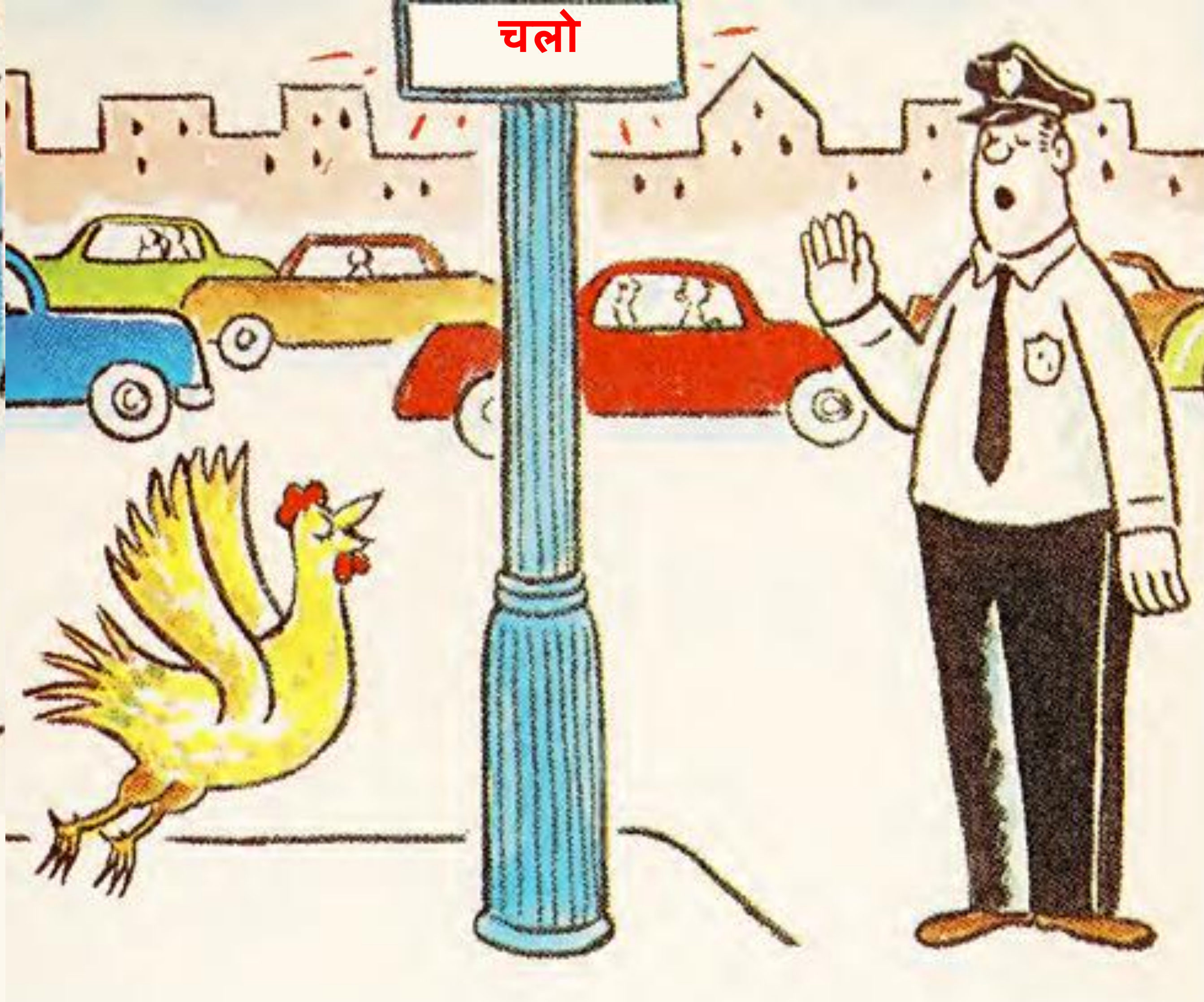

गाड़ियां इधर-उधर दौड़ रही थीं. "पी! पी!"

उनके हॉर्न बज रहे थे.

हेनरीटा ने सोचा, "जब मैं पहली बार

अपने खोल से बाहर आई थी,

तो मैंने भी 'पी, पी' की थी."

"कृपया तभी जाएं जब "चलो " का चिन्ह हो,"

एक पुलिसवाले ने कहा.

"वहां उड़ने का चिन्ह कब होगा?" हेनरीटा ने पूछा.

वह एक पार्क में गई.

एक आदमी कुछ पक्षियों को खिला रहा था.

"क्या मैं भी कुछ खा सकती हूँ?" हेनरीटा ने पूछा.

लेकिन तब तक सब खाना खत्म हो गया था.

"आओ हमारे साथ इमारत की चोटी पर उड़ो,"

कुछ चिड़ियों ने कहा.

"मैं इतनी ऊंची उड़ान नहीं भर सकती," हेनरीटा ने कहा.

"मुझे ऊपर जाने के लिए लिफ्ट लेनी होगी."

हेनरीटा सड़क पर उतरी.

उसने खिड़की में एक बोर्ड देखा.

उस पर लिखा था :

यहाँ चिकन मिलती है!

वो अंदर गई और एक टेबल पर बैठ गई.

"मुझे भूख लगी है," उसने वेटर से कहा.

"हम यहाँ पर लोगों को चिकन परोसते हैं,"

वेटर ने उससे कहा.

"फिर मुझे यहाँ से जाना चाहिए," हेनरीटा ने कहा.

कुछ बच्चे गली में खेल रहे थे.

"आओ हमारे साथ खेलो," उन्होंने हेनरीटा को बुलाया.

"हम क्या खेल सकते हैं?"

"चलो अंडे ढूंढ़ने वाला खेल खेलते हैं,"

हेनरीटा ने कहा.

"पर अंडे कहाँ हैं?" बच्चों ने पूछा.

"मेरे पास है. अपनी आँखें बंद करो," हेनरीटा ने कहा.

हेनरीटा ने बड़े अंडे और छोटे अंडे दिए.

उसने लाल अंडे और गुलाबी,

नीले और बैंगनी रंग के अंडे दिए.

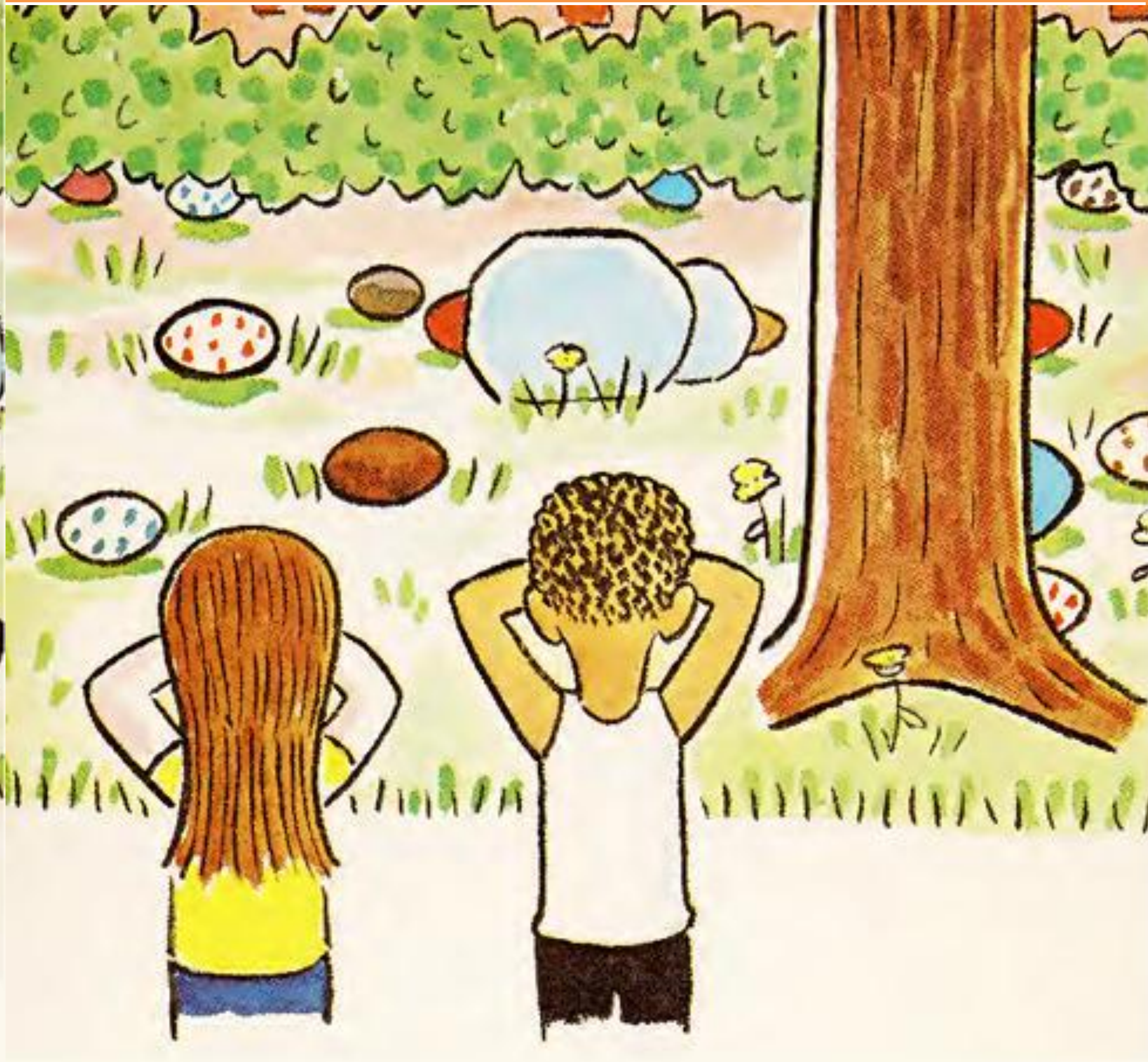

उसने चॉकलेट अंडे दिए.

उसने बिंदियों वाले

और पोल्का डॉट्स वाले अंडे दिए.

"मैं तैयार हूँ," उसने कहा. "अंडे ढूंढो."

तभी मिस्टर ग्रे गाड़ी में सवार होकर आए.

"तुम यहाँ क्या कर रही हो, हेनरीटा?

क्या तुमने ही वो सारे अंडे दिए हैं?" मिस्टर ग्रे ने पूछा.

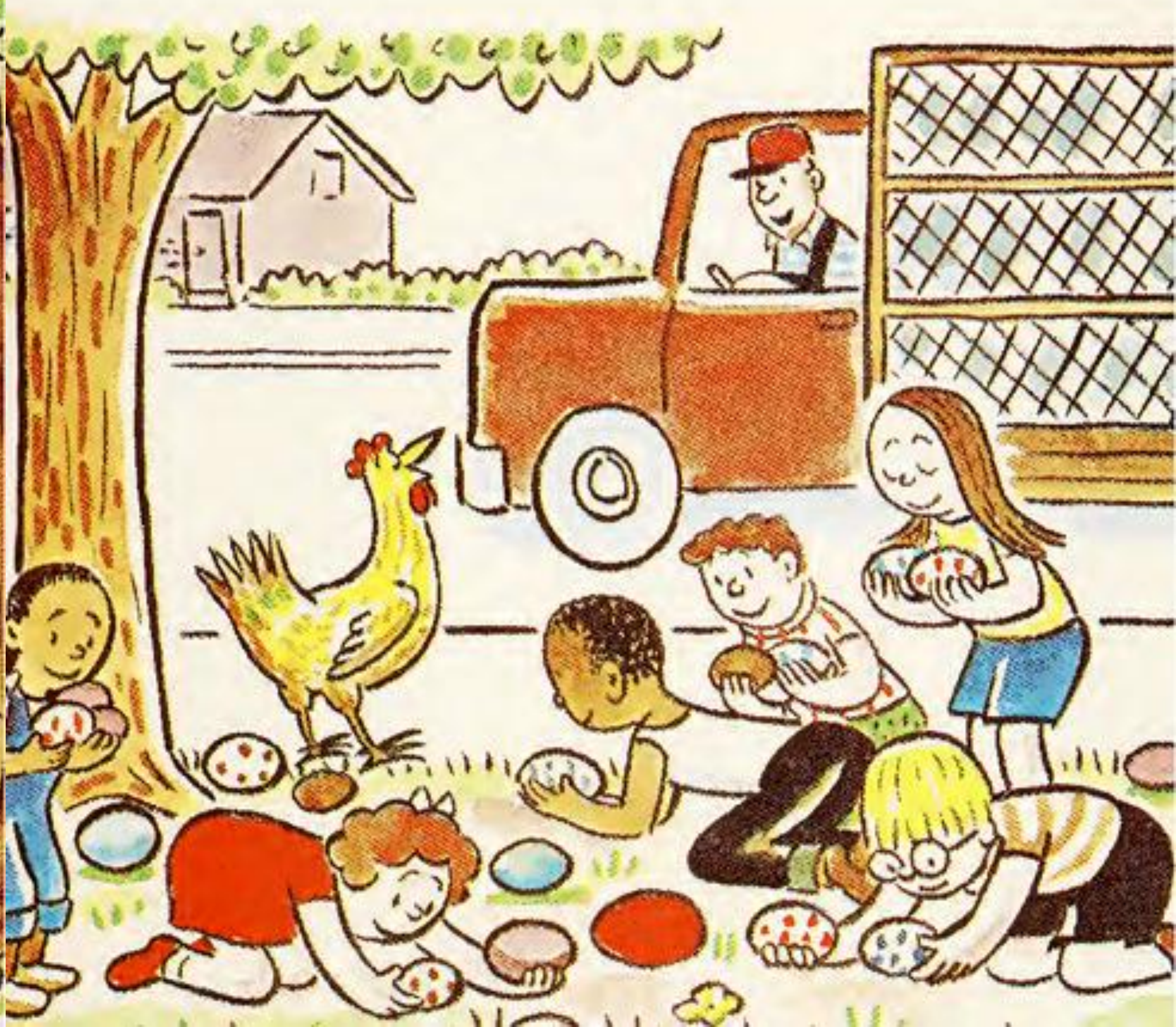

"हाँ," हेनरीटा ने कहा.

"क्या आप मुझे घर ले चलेंगे?" उसने पूछा.

"मैं काफी थक गई हूँ. यह दिन कुछ ज़्यादा ही लंबा था."

"मुझे भी वैसा ही लगता है," मिस्टर ग्रे ने कहा.

"हम फार्म पर उन अंडों का उपयोग कर सकते हैं,

और छोटे चूज़ों का भी."

हेनरीटा घर लौटकर बहुत खुश हुई.

समाप्त